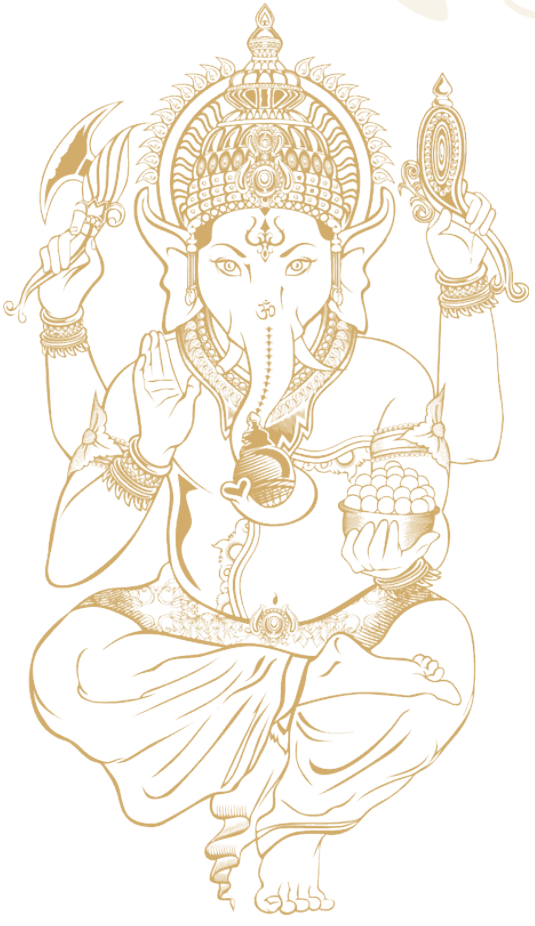

Mr.Chintan

19 Sep 1997

12:10 AM

Kathmandu

Model: web-freekundliweb

Order No: 119742702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/09/1997**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:10:00 घंटे**
इष्ट	45:46:25 घटी
स्थान	**Kathmandu**
देश	Nepal

अक्षांश	27:05:00 उत्तर
रेखांश	85:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	86:15:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:05:16 घंटे
वेलान्तर	00:05:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:56:06 घंटे
सूर्योदय	05:51:25 घंटे
सूर्यास्त	18:05:56 घंटे
दिनमान	12:14:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:02:31 कन्या
लग्न के अंश	16:48:43 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:48:43	318:39:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	02:02:31	00:58:34	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			मेष	00:02:38	14:52:53	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			तुला	29:09:55	00:40:53	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			सिंह	14:23:14	01:11:54	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		मक	18:53:13	00:03:45	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			तुला	13:54:21	01:09:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	24:42:21	00:04:09	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:55:16	00:00:37	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:55:16	00:00:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	11:10:51	00:01:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप	व		मक	03:28:06	00:00:39	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	09:22:09	00:01:11	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	05:06:35	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:27

लग्न-चलित

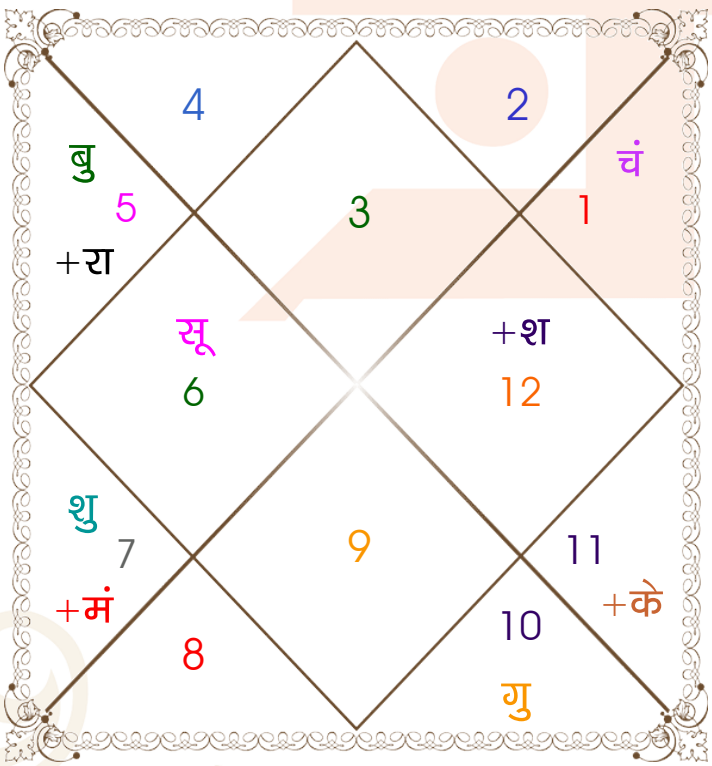

चन्द्र कुंडली

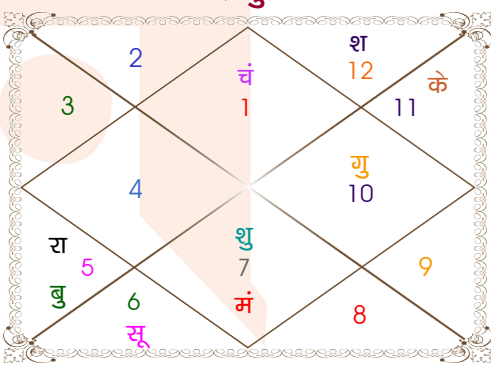

नवमांश कुंडली

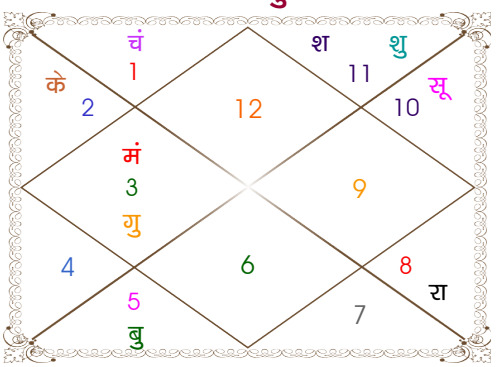

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 22 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/09/1997		10/09/2004		10/09/2024		10/09/2030		10/09/2040	
10/09/2004		10/09/2024		10/09/2030		10/09/2040		11/09/2047	
केतु	06/02/1998	शुक्र	10/01/2008	सूर्य	28/12/2024	चंद्र	12/07/2031	मंगल	06/02/2041
शुक्र	08/04/1999	सूर्य	10/01/2009	चंद्र	29/06/2025	मंगल	10/02/2032	राहु	25/02/2042
सूर्य	14/08/1999	चंद्र	10/09/2010	मंगल	04/11/2025	राहु	11/08/2033	गुरु	31/01/2043
चंद्र	14/03/2000	मंगल	10/11/2011	राहु	29/09/2026	गुरु	11/12/2034	शनि	11/03/2044
मंगल	10/08/2000	राहु	10/11/2014	गुरु	18/07/2027	शनि	11/07/2036	बुध	08/03/2045
राहु	29/08/2001	गुरु	11/07/2017	शनि	29/06/2028	बुध	10/12/2037	केतु	05/08/2045
गुरु	05/08/2002	शनि	10/09/2020	बुध	05/05/2029	केतु	11/07/2038	शुक्र	05/10/2046
शनि	14/09/2003	बुध	12/07/2023	केतु	10/09/2029	शुक्र	11/03/2040	सूर्य	10/02/2047
बुध	10/09/2004	केतु	10/09/2024	शुक्र	10/09/2030	सूर्य	10/09/2040	चंद्र	11/09/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/09/2047		10/09/2065		10/09/2081		11/09/2100		11/09/2117	
10/09/2065		10/09/2081		11/09/2100		11/09/2117		00/00/0000	
राहु	24/05/2050	गुरु	29/10/2067	शनि	13/09/2084	बुध	07/02/2103	केतु	20/09/2117
गुरु	16/10/2052	शनि	12/05/2070	बुध	24/05/2087	केतु	05/02/2104		00/00/0000
शनि	23/08/2055	बुध	17/08/2072	केतु	02/07/2088	शुक्र	06/12/2106		00/00/0000
बुध	12/03/2058	केतु	23/07/2073	शुक्र	01/09/2091	सूर्य	12/10/2107		00/00/0000
केतु	30/03/2059	शुक्र	23/03/2076	सूर्य	13/08/2092	चंद्र	12/03/2109		00/00/0000
शुक्र	30/03/2062	सूर्य	10/01/2077	चंद्र	15/03/2094	मंगल	10/03/2110		00/00/0000
सूर्य	22/02/2063	चंद्र	12/05/2078	मंगल	24/04/2095	राहु	26/09/2112		00/00/0000
चंद्र	23/08/2064	मंगल	18/04/2079	राहु	28/02/2098	गुरु	02/01/2115		00/00/0000
मंगल	10/09/2065	राहु	10/09/2081	गुरु	11/09/2100	शनि	11/09/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।